दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. कविता 'भगवान के डाकिए' के आधार पर ईश्वर के संदेश को बताइए तथा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर कविता 'भगवान के डाकिए' में कवि ने प्रकृति के तत्वों के माध्यम से ईश्वर का संदेश मनुष्य को बताया है। पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ जैसे सभी प्राकृतिक तत्त्व आपसी एकता और सह-अस्तित्व में बँधे हैं तथा इनमें कोई बँटवारा या भेदभाव नहीं है। पक्षी बिना रोक-टोक के देश-विदेश में आते-जाते हैं और इसी प्रकार बादल प्रत्येक देश में आते-जाते हैं।

मनुष्य को छोड़कर ईश्वर का संदेश सभी समझ लेते हैं, कविता के अनुसार, मनुष्य ही है, जो सीमाओं में बँधकर रहता है और दूसरों को भी रखना चाहता है। ईश्वर का संदेश मानवता तथा विश्वबंधुत्व की भावना से ओत-प्रोत है। मनुष्य जाति को देश-विदेश की सीमाओं से परे जाकर सोचना होगा, इसलिए कवि ने कहा है कि मनुष्य से भले तो शायद प्रकृति के दूसरे तत्त्व-पेड़-पौधे, पहाड़ आदि हैं।

के द्वारा दूसरे देश की धरती में भेजने का काम करती है।

5. 'भगवान के डाकिए' कविता से आपको क्या संदेश मिलता है?

उत्तर 'भगवान के डाकिए' कविता से यह संदेश मिलता है कि हमें स्वार्थ तथा अपने-पराए की भावना को छोड़कर सबके साथ समानता तथा प्रेम का व्यवहार करना चाहिए।

जिस प्रकार प्रकृति अपने-पराए का भेदभाव किए बिना सबको अपना खजाना लुटाती है, उसी प्रकार हमें भी जाति, धर्म, भेदभाव आदि की भावना से ऊपर उठकर कार्य करना चाहिए, जिससे हमारे कार्यों की महक चारों ओर फैल जाए।